बारिश की रिमझिम फुहारों ने किया भोलेनाथ का अभिषेक

श्रावण मास का पहला सोमवार... राजधानी के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं ने की भगवान की पूजा-अर्चना, गूंजते रहे भजन-कीर्तन

500 से अधिक कांवड़िये लाए नर्मदा जल

बड़वाले महादेव का किया अभिषेक

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 14 जुलाई. सावन माह का पहला सोमवार और दिनभर होती रही रिमझिम बारिश. बारिश की इन फुहारों के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के साथ ही उनकी पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की. राजधानी के लालघाटी गुफा मंदिर, पीपलेश्वर महादेव मंदिर, बिड़ला मंदिर, भोजपुर मंदिर सहित सभी मंदिरों में भगवान शिव की आराधना के लिए सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही. श्रद्धालुओं ने जल, बेलपत्र, दूध, शहद अर्पित कर भगवान भोले का अभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की.

राजधानी के बड़वाले महादेव मंदिर में सोमवार को नर्मदा जल से स्वयंभू शिवलिंग का रुद्राभिषेक किया गया. ओम शिव सेवा भक्त मंडल द्वारा बुधनी घाट से नर्मदा जल लेकर 500 से अधिक कांवड़िये मंडीदीप के रास्ते पद यात्रा करते रविवार शाम भोपाल पहुंचे. लगभग 11 बजे पिपलेश्वर महादेव मंदिर से निकली कांवड़ यात्रा एक बजे बड़वाले महादेव मंदिर पहुंची. अध्यक्ष राम प्रजापति ने बताया कि यह हमारा प्रथम वर्ष हैँ,चार दिवसीय कावड़ यात्रा 11 जुलाई से शुरू होकर 14 जुलाई को बड़े वाले महादेव मंदिर में बाबा बटेश्वर का नर्मदा जल से जलाभिषेक करने के बाद संपन्न हुई. सोमवार सुबह से ही मंदिर में भक्तों की भीड़ शिव दर्शन और जल अभिषेक के लिए बड़ी संख्या में पहुंची और हजारों की संख्या में लोग पहुंचकर जलाभिषेक किया. यह मंदिर 450 वर्ष पुराना है. यह शहर एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां वटवृक्ष के नीचे स्वयं भू शिवलिंग विराजमान है. मंदिर में रात 9 बजे भव्य श्रृंगार के साथ आरती की गई. समिति के सदस्य विवेक साहू ने बताया कि 50 से अधिक सामाजिक एवं व्यापारी संस्थाओं ने कांवड़ यात्रा का फूलों से स्वागत किया. विशाल कावड़ यात्रा में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता देवेंद्र सिंह तोमर, संरक्षक सुशील सुदेलें, मंडल अध्यक्ष आशीष सिंह ठाकुर, भोपाल किराना व्यापारी महासंघ के महामंत्री विवेक साहू, मंदिर समिति के संजय अग्रवाल पूरी भंडार,अवनी शर्मा, राकेश शर्मा तरण प्रजापति मुख्य रूप से शामिल रहे.

पिपलेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों ने की पूजा-अर्चना

नेहरू नगर स्थित पिपलेश्वर महादेव मंदिर में सोमवार को प्रातः 9 बजे रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हुए मनोकामना पूर्ति का आह्वान किया. यह मंदिर शहर के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक है, जिसका लगभग 50 वर्ष पहले नारायण दास द्वारा पुनः जीर्णोद्धार कर नया रूप दिया गया. मंदिर के पुजारी ने बताया कि सावन माह में विष्णु भगवान शयन के लिए जाते हैं तो इस समय भगवान शिव पूरी सृष्टि की रचना और गतिविधियों को संजोने और संवारने के साथ गति देने का कार्य करते हैं जिसके कारण ही नीलकंठ शिव को इस माह में भक्तजन अपना ईष्ट देव मानकर श्रद्धा भाव से

पूजते हैं. उन्होंने बताया कि भगवान शिव को जल से कराया गया रुद्राभिषेक अत्यंत श्रेष्ठ माना जाता है, इसीलिए भक्तगण जल अभिषेक कर मनोकामना पूर्ति की कामना करते हैं. रुद्राभिषेक का अर्थ बताते हुए कहा यह भगवान शिव के रौद्र रूप का विधिपूर्वक अभिषेक करना, जिसमें जल, दूध, शहद, घी, गंगाजल से पंचामृत बनाकर शिवलिंग को स्नान कराया जाता है, यह केवल एक पूजा विधि नहीं, बल्कि शिव से जुड़ कर आध्यात्म की राह में एवं को खोजने जैसा है. मंदिर प्रांगण में 6 पीपल के पेड़ों की श्रृंखला है, जिसमें अधिकतम 200 वर्ष पुराने वृक्ष हैं जो प्रांगण को प्राकृतिक सुंदरता के साथ भक्तों द्वारा पूरे माह पूजे जाते हैं.

दादाजी धाम मंदिर में भगवान शिव का रुद्राभिषेक

भोपाल, 14 जुलाई. सावन माह के पहले सोमवार पर दादाजी धाम मंदिर में विधि विधान से चंद्रदोष के लिए दूध से भक्तों द्वारा रुद्राभिषेक किये गए . श्रद्धालुओं ने देर रात तक भगवान शिव के दर्शन किए. यहां सावन मास में प्रतिदिन भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया जा रहा है. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सावन मास में ही भगवान शिव ने माता पार्वती को पत्नी के रूप में स्वीकार किया था. सावन के चारों सोमवार को श्रद्धा और नियम से पूजन करने पर भगवान शिव और माता पार्वती आपकी हर कठिनाई को हर सकते हैं और मनोकामना को पूरी करते हैं.

बड़ वाले महादेव का जलाभिषेक

भोपाल. राजधानी भोपाल के बड़ वाले महादेव मंदिर में श्रावण मास के पहले सोमवार पर भक्तों ने भगवान महादेव की पूजा अर्चना की. इस दौरान महिलाएं कलश में जल लेकर पहुंची और जलाभिषेक किया.

कर्पूर गौरम स्वरूप में बाबा बटेश्वर ने दिए दर्शन

भोपाल, 14 जुलाई. श्री बड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति द्वारा श्रावण माह के प्रथम सोमवार पर बाबा बटेश्वर का कर्पूर गौरम स्वरूप में दिव्य श्रृंगार किया गया. समिति के संजय अग्रवाल एवं प्रमोद नेमा ने बताया प्रातः काल महारुद्राभिषेक, दर्शन, आरती एवं सांयकाल बाबा बटेश्वर का केसर एवं कपूर से चेहरा बनाकर सवा क्विंटल फूलों से श्रृंगार कर रात्रि 9 बजे डमरू, मंजीरे के साथ महाआरती की गई. भगवान भोलेनाथ का यह गौरवर्ण स्वरूप था.

शिव ही सगुण, शिव ही निर्गुण, शिव ही अनंत

हिन्दू धर्म के 18 पुराणों में ऋषि वेदव्यास द्वारा रचित शिव पुराण भगवान शिव और देवी पार्वती के जीवन, लीलाओं, और महिमा का वर्णन है. यह पुराण शैव मत संप्रदाय से संबंधित पुराण है, जिसमें शिव के विभिन्न रूपों, अवतारों, ज्योतिर्लिंगों और कल्याणकारी स्वरूपों, के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है. पुराण में शिव को महेश्वर माया का रचयिता कहा गया है. यानी एक ऐसा व्यक्ति, ऐसी शक्ति जो हर चीज से परे है, जो अनंत है, सर्वज्ञ है, निराकार है साकार है. सृष्टि की गति है सर्वोच्च परब्रह्म है. शिव ही सत्य शिव ही प्रमाण है शिव ही प्रजा सरंक्षक, प्रशंसनीय और देवाधिदेव है. पुराण में भगवान शिव के कई प्रसंग वर्णित हैं. उनके 19 अवतारों के बारे में बताया गया है. भगवान ने क्या-क्या वरदान किसे दिए है ऐसी कथाएं वर्णित हैं. पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार देवताओं और असुरों द्वारा अमृत प्राप्त करने को लेकर समुद्र मंथन किया गया जिसमें कुल 14 रत्न निकले. जिसमें एक हलाहल विष भी निकला इस विष की ज्वाला इतनी थी कि इससे सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के देवताओं और असुरों में हाहाकार मच गया. यह एक ऐसा विष था जिसकी मात्र एक बूँद भी सम्पूर्ण लोक का विनाश कर सकती थी. उस समय सभी देव गण भगवान शिव के पास पहुंचे और उनसे इस संकट को दूर करने की प्रार्थना की. जिसके बाद स्वयं भगवान शिव ने हलाहल विष को पी लिया और इसे अपने कंठ से नीचे नहीं उतरने दिया. जिससे उनका कंठ नीला पड़ गया और उनका नाम भी नीलकंठ पड़ा. शिवपुराण के अनुसार, माता पार्वती भगवान शिव को अपने पति रूप में पाना चाहती थी. इसीलिए उन्होंने कई वर्षों तक कठोर तप किया भगवान शिव प्रसन्न हुए और उन्हें अपनी पत्नी बनाने का वरदान दिया.

आध्यात्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण सावन माह : पंडित सुरेंद्र ने बताया श्रावण मास केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है. इसमें शिव की उपासना, उपवास, भक्ति और सेवा से जीवन में शांति, सुख, और समृद्धि आती है. इस माह के प्रारम्भ होते ही सम्पूर्ण वातावरण में एक प्राकृतिक बदलाव देखने को मिलता है जो हरियाली, नवनिर्माण, नवल ऋतु का प्रतीक माना जाता है.

गुफा मंदिर में भगवान का फूलों से श्रृंगार

सावन के पहले सोमवार को गुफा मंदिर में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर विशेष रूप से पूजन अर्चन किया. भक्तों ने भगवान को जल चढ़ाकर अभिषेक किया साथ ही भगवान गुफेश्वर का पंचामृत अभिषेक भी किया गया. मंदिर प्रांगण में मेला और विभिन्न स्टॉल भी लगाए गए. यहां पर फूलों से शिवलिंग का मनमोहक श्रृंगार किया गया था.

बिरला मंदिर : अरेरा हिल्स पर बने प्रसिद्ध बिरला मंदिर में सोमवार प्रातः से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी. जिसमें श्रद्धालुओं ने पूर्ण श्रद्धा भाव से जल, दूध, बेल पत्र और धतूरा के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया.

एक नजर में

बालटाल में बनाया स्थाई कंट्रोल रूम

भोपाल. अमरनाथ यात्रियों के लिए भोपाल के ओम शिव शक्ति सेवा मंडल ने बालटाल में स्थाई कंट्रोल रूम बनाया है. मंडल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि मंडल द्वारा बालटाल में स्थाई कंट्रोल रूम बनाया गया है। जिन यात्रियों के भोपाल में रजिस्ट्रेशन नहीं हुए थे उनको रजिस्ट्रेशन करने में सहयोग किया जा रहा है. यात्रा में गए यात्रियों की जानकारी ली जा रही है. उन्होंने बताया कि सावन के पहले दिन 11 जुलाई को 351 श्रद्धालुओं का भोपाल का सबसे बड़ा जत्था बाबा बर्फानी के दर्शन को गया था. 209 यात्रियों ने पवित्र सावन के पहले सोमवार को बाबा बर्फानी के दर्शन कर लिए हैं. कंट्रोल रूम में मंडल सचिव रिंकू भटेजा,गुड्डू अग्रवाल, सचिन सेबारमानी, मनोज शास्त्री, मनीष मिश्रा ,मोनू दुबे ,कान्हा प्रजापत ,गणेश सिंहा यादव ,रामजीलाल प्रजापत ,सौरभ राजपूत ,शंकरलाल प्रजापत ,योगेश श्रीवास्तव ,राज नारायण पटेल ,कपिल ग्वाला ,मनोज नेवले,प्रदीप सोनी अलग-अलग समय में अपना सहयोग दे रहे हैं.

25 छात्र-छात्राओं को वितरित की साइकिलें

भोपाल. सोमवार को भेल क्षेत्र से लगी रायसेन रोड की ग्राम पंचायत पड़रिया काछी के शासकीय हाई स्कूल की कक्षा नौवीं की 25 छात्रा, छात्राओं को विधायक रामेश्वर शर्मा की अनुशंसा पर साइकिलें वितरित की गईं. पड़रिया हाई स्कूल में 10 से12 किलोमीटर दूर से आने वाले छात्र-छात्राओं को क्षेत्रीय जनपद सदस्य संतोष प्रजापति ने प्राचार्य रानी पाल एवं सरपंच रोशनी आकाश इंदौरिया की उपस्थिति में 12 छात्र एवं 13 छात्रों को साइकिल वितरण की. इस अवसर पर प्राचार्य ने जनपद सदस्य संतोष विश्वकर्मा का फूल माला से स्वागत किया. साइकिल वितरण के अवसर पर हाई स्कूल के शिक्षक गण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

शेखर और मंजूषा जोहरी ने किया पदभार ग्रहण

अलाउद्दीन खां संगीत अकादमी, तुलसी शोध संस्थान में नियुक्ति

भोपाल, 14 जुलाई. शहर के वरिष्ठ गायक कलाकार शेखर करहाडकर ने सोमवार को उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी में उपनिदेशक का पदभार ग्रहण किया. मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद की ओर से जारी आदेश के अनुसार शेखर करहाडकर के पास अकादमी के संगीत प्रभाग के अंतर्गत संचालित तानसेन कला वीथिका ग्वालियर का दायित्व भी है.

लगभग 30 वर्षों से संगीत के क्षेत्र में सक्रिय शेखर करहाडकर मूलत: ग्वालियर घराने के मूर्धन्य कलाकार हैं और निरंतर संगीत

कला के क्षेत्र में सक्रिय हैं. इसके साथ ही इंदौर की मंजूषा राजस जोहरी को तुलसी शोध संस्थान चित्रकूट का उपनिदेशक नियुक्त किया गया. यह नियुक्ति तीन साल या आगामी आदेश तक रहेगी. दोनों ही पदाधिकारी को उप संचालक मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद डॉ पूजा शुक्ला ने पदभार सौंपा. इस मौके पर साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे आदि उपस्थित थे.

जिसको देखें, उसके सिर पे सावन छाया है

दुष्यंत संग्रहालय में प्रणाम पावस गीत गोष्ठी का आयोजन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 14 जुलाई. शिवाजी नगर स्थित दुष्यन्त कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में प्रणाम पावस गीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया. गोष्ठी की शुरुवात अंशु वर्मा के गीत से हुआ उन्होंने गली- गली ने शोर मचाया है,जिसको देखें उसके सिर पे सावन छाया है नामक गीत पढ़ा. इसके बाद कुमार चंदन ने नेह की बदरिया -नेह की वादियां गीत पढ़ा और लगातार भवन में गीत का समां बंधा रहा.

बुंदेली रस घोलते हुए आशा श्रीवास्तव ने बरस गई बुंदिया ,आज मोरे अंगना जैसे गीतों को पढ़ा. वहीं रामराज को सावन से जोड़ते हुए मीनाक्षी दुबे ने मांगा हो

जब मूल, मूल के साथ ब्याज का आ जाना जैसे गीत पढ़े. ललित व्यास ने ऐसा ही एक मौसम जब घटा अंधेरी छाई थी गीत पढ़कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरी. इसके साथ ही गोष्ठी में विशेष रूप से सावन पर आधारित गीतों को पढ़ा गया. यह कार्यक्रम हर वर्ष की तरह 14 जुलाई को सायं 4 बजे आयोजित किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में साधना बलवटे, विशिष्ट अतिथि महेश अग्रवाल और ममता बाजपेई और अध्यक्ष जगत शर्मा की मौजूदगी में गोष्ठी सम्पन्न कराई गई. कार्यक्रम का संचालन दिनेश प्रभात द्वारा किया गया.

मनीष बादल, अशोक व्यग्र, मयंक श्रीवास्तव ,ऋषि श्रृंगारी, रामवल्लम आचार्य,महेश अग्रवाल, किशन तिवारी, दिनेश मालवीय,विमल भंडारी ,मनोज मधुर, यतीन्द्र नाथ राही, रामराव वामनकर, जगत शर्मा, कुमार चंदन , और दिनेश भदोरिया सहित अन्य पावस गीत के स्वागत में रचनाएँ पढ़ी.

समापन सत्र | विद्या भारती मध्य प्रांत के परिचय वर्ग का समापन

विद्या भारती संस्था ही नहीं, संस्कारयुक्त आंदोलन : आरावकर

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 14 जुलाई. राजधानी में विद्या भारती मध्यभारत प्रांत द्वारा आयोजित विद्या भारती परिचय वर्ग का समापन सत्र सोमवार को हुआ. विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के सह-संगठन मंत्री रामजी आरावकर ने इस मौके पर संबोधित किया.

उन्होंने कहा कि कहा कि विद्या भारती केवल एक शैक्षणिक संस्था नहीं, बल्कि यह राष्ट्र के नव निर्माण के लिए संस्कारयुक्त नागरिकों के निर्माण का एक व्यापक आंदोलन है. विद्या भारती

के विद्यालय देश के कोने-कोने में कार्यरत हैं -केवल लक्षद्वीप को छोड़कर शेष सम्पूर्ण भारत में - जहाँ विद्यार्थियों को केवल ज्ञान ही नहीं, अपितु चरित्र, कर्तव्यबोध और राष्ट्रनिष्ठा के मूल्यों से युक्त शिक्षा दी जा रही है. उन्होंने कहा कि 1952 में एक विचार के रूप में अंकुरित हुआ यह संगठन आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है, जिसकी शाखाएँ समाज के प्रत्येक वर्ग तक फैली हैं. इस विकास यात्रा में समाज के सहयोग और समर्पित कार्यकर्ताओं की तपश्चर्या प्रमुख रही है. परिचय वर्ग में तीन सत्रों के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्या भारती की भूमिका, संगठन की विकास यात्रा, लक्ष्य, कार्य पद्धति, तथा चरित्र निर्माण, सांस्कृतिक बोध और कर्तव्यपरक शिक्षा की प्रासंगिकता पर गंभीर चिंतन और संवाद हुआ. भोपाल में आरावकर, सरस्वती विद्या मंदिर, शारदा विहार आवासीय विद्यालय, केरवा बाँध मार्ग में कार्यक्रम आयोजित हुआ.

> अपने वक्तव्य में डॉ. कान्हेरे ने कहा कि विद्या भारती केवल पठन-पाठन तक सीमित नहीं है, अपितु यह भारतीय समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का एक शैक्षिक-सांस्कृतिक राष्ट्रधर्मी आंदोलन है. उन्होंने संगठन के विभिन्न रचनात्मक उपक्रमों जैसे विद्वत परिषद, पूर्व छात्र परिषद, क्रियाशोध परियोजना, संस्कृति बोध परियोजना एवं विज्ञाम मेला की जानकारी दी और इन्हें समाज में सकारात्मक विमर्श स्थापित करने का सशक्त माध्यम बताया.

साइबर धोखाधड़ी से बचाव के बताए तरीके

भोपाल, 14 जुलाई. बी.जी. आई. के इंजीनियरिंग विभाग में सोमवार को छः दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन हुआ. साइबर फिजिकल सिस्टम्स एण्ड डिजिटल अरेस्ट पर आयोजित प्रोग्राम में विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे निदेशक डॉ. सतीश नायक ने अपने वक्तव्य में साइबर धोखाधड़ी से लड़ने हेतु उभरते हुए डिजिटल सुरक्षा ढाँचों के महत्व पर ज़ोर दिया. डॉ. दामोदर तिवारी ने इस मौके पर अपने वक्तव्य में परस्पर जुड़ी हुई भौतिक और डिजिटल दुनिया की सुरक्षा के लिए संभावित साइबर खतरों की पहचान, विश्लेषण और शमन प्रक्रियाओं पर अपने विचार रखे.